Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/
eHindiComics

चाचा चौधरी का इंसाफ

श्रीमूदास, तुम झूठे हो.

पल्टूराम, मैं तुम्हारी नाक तोड़ दूंगा.

अरे भई क्या बात है?

चाचाजी, मैं आपकी शरण आया हूं. इंसाफ कीजिए.

मैं एक दिन जब श्रीमूदास के घर गया तो यह बड़ी कड़की में था. इसने मुझ से एक हजार रुपये उधार लिए. अब एक महीने बाद जब मैं इससे अपने रुपये वापस मांग रहा हूं तो यह साफ मुकर रहा है.

पल्टूराम! तुमने जो एक हजार रुपये इसे दिये, उसकी कोई रसीद है तुम्हारे पास?

उस वक्त मैं और श्रीमूदास पक्के दोस्त थे. इसलिए मैंने रसीद मांगना मुनासिब नहीं समझा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

जवानी का नुस्ख़ा

एक दिन चाचा चौधरी से मिलने दो बुजुर्ग आए.

चाचाजी, अच्छा हुआ कि आप घर पर ही मिल गए.

आप तो मेरे बुजुर्ग हैं, फिर मैं आपका चाचा कैसे हुआ?

आप चाचा चौधरी के नाम से इतने मशहूर हो गए हैं कि लोग आपका असली नाम भूल ही गए हैं. सो किस नाम से बुलाएं?

अच्छा अब बताएं, आपकी क्या समस्या है?

शहर में एक ठग बूढ़े से जवान होने की दवा बेच रहा है. हमने यह दवा खरीदी, लेकिन जवान नहीं हुए. जब हम उसे दवा वापिस करने गए तो उसने यह कह कर कि हमारा दवा इस्तेमाल करने का तरीका गलत था, पैसे लौटाने से इंकार कर दिया.

आप बुजुर्ग होते हुए भी जाल में फंस गए?

जवानी का लोभ किसकी अक्ल पर पर्दा नहीं डाल देता?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

जनता मेरे खिलाफ हो गई है. ठीक नंबर निन्यानवे चलनी चाहिए.

सचमुच तुमने अजीबोगरीब आविष्कार किया है. मुझसे भूल हो गई. तुम्हें इस पर नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए. लेकिन फिलहाल तुम मेरी तरफ से यह डिब्बी कबूल फरमाओ

यह क्या है?

सूंघ कर देखो.

वह सूंघता है.

आह! सचमुच बड़ी अच्छी खुशबू है.

तभी.

अ-अ-आकछीं!

ओह! मेरे दांत!

दूसरी छींक.

आकछीं!

ओह, मेरा विग. उस कमबख्त ने नसवार दे दी.

अरे, उसने तो नकली दांत, विग लगाए

अगर दवाई खाने से जवानी लौट आती तो दुनियां में कोई बूढ़ा न रहता.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कल्लू का बाबा

कल्लू कुम्हार अपने गधे को सरेआम पीट रहा था.

अर...र...र! ठहरो!

बेजुबान जानवर को क्यों मार रहे हो? गधा बड़े काम का जानवर है. दिन भर ढेरों बोझा ढोता है. रात को जहां डाल दो, पड़कर सो जाता है.

चाचाजी यही तो मुसीबत है. यह गधा अब बूढ़ा हो गया है. बोझ ढोने के काबिल नहीं रहा. दिन में पांच रुपए का घास खा जाता है. तंग आकर मैं इसे जमुना पार छोड़ आया, लेकिन यह कमबख्त फिर लौट आया.

अच्छा, कल्लू! अगर तुम इससे तंग आ गए हो तो यह गधा मुझे दे दो.

चाचाजी, अगर आप इसे ले जाएं तो मुझ पर बड़ा अहसान होगा.

और चाचा चौधरी उस बूढ़े गधे को लेकर चल दिया.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मैं खिड़की तक पहुंच गया.

फ्लैट के अंदर.

अब और इंतजार बेकार है. पांच मिनटों में अगर दस हजार रुपए न मिले तो इसको भून दूंगा.

तभी चाचा चौधरी पीछे से उसे दबोच लेता है.

ओह! यह कौन कम्बख्त आ गया?

हाय! मैं मरा!

धांय

यह लो!

जाओ, तुम जाकर दरवाजा खोलो और अपने पति को ऊपर ले आओ.

घर का मालिक ऊपर आता है.

चाचाजी, आपका धन्यवाद. यह दस हजार रुपया मेरी तरफ से कबूल करें.

शुक्रिया! मैं पैसे नहीं लेता. आप चाहें तो मेरे गधे को दस सेर घास खिला दें.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

राजकुमारी नताशा

ब्राजील देश का राजा गुलसब और उसकी बेटी राजकुमारी नताशा.

बेटी नताशा! तुम बड़ी हो गई हो. मैं तुम्हारे ब्याह की सोच रहा हूं.

पापा! कया कोई ऐसा व्यक्ति है जो दुनिया में अपनी मिसाल आप हो?

हां, है. भारत देश का चाचा चौधरी. उसका दिमाग संसार में अद्वितीय है.

तो फिर मैं उनीसे शादी करूंगी, क्योंकि मैं ऐसी चीज पसंद करती हूं जो दुनिया में और किसी के पास न हो.

लेकिन बेटी...

लेकिन-वेकिन कुछ नहीं पापा! नताशा जिस चीज को पसंद करती है, हासिल करके ही छोड़ती है. मैं चली भारत देश.

भारत पहुंचने पर...

अरे भाई, चाचा चौधरी को जानते हो?

कौन नहीं जानता?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चंद्रमुखी पहाड़

बाबू! आज हम चन्द्रमुखी पहाड़ पर चढ़ेंगे.

गाचाजी! एवरेस्ट पर क्यों न चढ़ें?

एवरेस्ट पर कई लोग जा चुके हैं. चन्द्रमुखी पहाड़ पर आज तक कोई नहीं गया.

इसलिए चन्द्रमुखी पहाड़ पर चढ़ने से ज्य दा नाम होगा.

धमाकासिंह! क्यों न यह यज्ञ हम हासिल करें?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

इस तरह से चन्द्रमुखी पहाड़ पर चढ़ने वाले न सिर्फ हम पहले व्यक्ति होंगे, बल्कि यह भी साबित कर देंगे कि चाचा चौधरी को हराया जा सकता है.

लेकिन वे तो हम से आगे निकल गए हैं.

हम सड़क का रास्ता कार से तय करेंगे और उन्हें पीछे छोड़ देंगे.

हो ! हो ! चौधरी, चन्द्रमुखी पहाड़ पर मिलना.

चाचाजी ! इनकी कार उठाकर नदी में फेंक दूं ?

नहीं साबू ! आज देखना है, कछुआ हारता है या खरगोश ?

ऊनी कपड़े पहन लें. पहाड़ की चोटी पर ठंड होगी.

देखो ! पीछे कहीं वे लोग दिखाई दे रहे हैं ?

दूर तक वे दिखाई नहीं दे रहे . .

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

पहाड़ी और टोपी

कहां चल दिए ?

पार्क की ठंडी हवा में आराम करने.

चाचा चौधरी ?

खर्र ! खर्र !!

यहां कुछ देर सोया जाए.

खर्र ! खर्र !

आंटी ! दिवाली का रॉकेट एटम बम बच गया है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

क्रिकेट टैस्ट

आह! यह मैच बड़ा रोमांचिक होगा.

विदेशी टीम का कप्तान

भारतीय टीम को जल्दी आउट करना है.

ग्यारह गेंदों पर ग्यारह खिलाड़ी आउट होंगे.

वह कैसे?

इस गेंद को थामो.

ओह! इतनी भारी??

अंदर ठोस लोहे का गोला है. ऊपर चमड़े का कवर चढ़ा है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दूध का दूध

रघु ! बर्तन में चाचा चौधरी क्या ले जा रहा है ?

डग्गू ! यह तो पता नहीं, लेकिन चाचा चौधरी के पास जो चीज होती है, अच्छी होती है.

जाकर पता लगाओ कि उसमें क्या है ?

चाचा चौधरी ! बर्तन में क्या ले जा रहे हो ?

रघु : इसमें भूरी भैंस का दूध है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चौधरी ! बन गए न उल्लू ? मैंने यह दूध पीने के लिए झूठ कह दिया था कि तुम्हारा फोन आया है.

ओ, सम्भालो अपना खाली बर्तन.

हम्म ! तुम्हें वह दूध नहीं पीना चाहिए था. उसमें ढेर सारी जुलाब की गोलियां मिल गई थीं. मैं दूध को नदी में बहाने जा रहा था.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

और बहुत चालाक लगता है. सारे दरवाजे और खिड़कियां बंद होने पर भी घड़ी उड़ा ले जाता है.

अचा-चौधरी! घर आ गया.

गोकुल! तुम जाओ. आज यह घड़ी मैं अपने पास रख कर सोऊंगा. देखता हूं कैसे गायब होती है?

खर्र! खर्र!

सुबह ---

हैं?? घड़ी नादारद?

मैंने कहा था कि चोर परले दर्जे का धूर्त है.

घर के सारे नौकरों को इकट्ठा करो.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू के कुण्डल

उस्ताद ! मुझे क्यों बुलवाया ?

रोशा ! मुझे साबू के कानों के कुण्डल चाहिए . वे ऐसे सोने के बने हैं जो पृथ्वी पर नहीं मिलता . वह ज्यूपीटर का शुद्ध धातु है .

अगर तुम उन्हें ले आओगे तो नकद हजार रुपया मिलेगा .

बस , एक हजार . उस्ताद , तुम्हें पता नहीं कि साबू से कुण्डल छीनकर लाना आग में हाथ देने के बराबर है .

ठीक है , दो हजार मिल जाएंगे .

उस्ताद ! काम हो गया , समझो . रोशा ने बड़ों बड़ों के दिमाग ठिकाने लगा दिए हैं .

तुम नोट गिनो .-- मैं कुण्डल लेकर आया .

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

गप्पू! नारियल तोड़ने का एक और भी तरीका है, साबू.

सड़क पर मैं मोबिल आइल फैला देता हूं. साबू फिसलेगा और नारियल पर गिरेगा. नारियल अपने आप टूट जाएगा.

ओह!

फिसलना

बचाओ!

?

eHindiComics

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू की किताब

कहो, किताबूराम! कैसे हो?

ठीक हूँ, चाचाजी! जरा आप हमारे दफ्तर आइए.

साबू! मैं अभी आया.

डी.सी.पब्लिशर्स

हमने साबू के लिए एक स्पेशल किताब छापी है. इसमें बीमारियों के इलाज के आसान तरीके लिखे हैं. यह साबू के लिए उपयोगी सिद्ध होगी.

यह बहुत भारी है. इसे साबू ही उठाएगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मैं साबू को बताता हूं.

प्रकाशक किताबराम ने तुम्हारे लिए एक किताब छापी है. उसे ले लो.

कोई अच्छी किताब लगती है.

डा.स.

वाह! इस में तो जुकाम से लेकर हड्डी टूटने तक को ठीक करने के तरीके लिखे हैं.

लपट और झपट - दो बदमाश.

लपट! क्यों न हम उस लम्बू से किताब छीन लें?

झपट! अपने किस काम की? अपन तो अनपढ़ हैं.

बेवकूफ! इतनी मोटी किताब रद्दी में ही तीस-चालीस रुपए में बिक जाएगी.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

ढोलू ! लकड़ी के दो टुकड़े करने हैं तो साबू के पास जाओ और उससे कहो कि फार्मूला नं. 99 अपनाए.

फार्मूला नं. 99 ?

ठीक है. वैसे भी लकड़ी कट नहीं रही. यही करते हैं.

साबू ! लकड़ी के दो टुकड़े करने हैं. चाचा चौधरी ने तुम्हें फार्मूला नं. 99 अपनानेको कहा है.

नं 99 ?

ढोलू ! लगता है, चाचाजी ने तुझे भूल से गलत फार्मूला बता दिया है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/